



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 714]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 31, 1989/कार्तिक 9, 1911

No. 714]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 31, 1989/KARTIKA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्घोग मंत्रालय

पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 1989

बैंजाइडिन—आधारित रंजकों तथा उसके लवणों के प्रयोग का प्रति-
योग

का.आ. 881(अ) ---केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 13 के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 6 की उपधारा (2) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रंगाई और रंग-प्रसंस्करण उद्योगों में बैंजाइडिन-आधारित रंजक द्रव्य के प्रयोग पर प्रतिवेद्य और निर्वाचन अधिसूचित करती है।

बैंजाइडिन—आधारित रंजकों और रंग के मिश्रण का प्रयोग।

1. लागू होता—यह अधिसूचना पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 में दी गई परिभाषा के अनुसार प्रतिपिछ पदार्थों की उठाई-धराई, और उस आनुषंगिक प्रक्रिया के संबंध में लागू होगी जिसके दौरान ये पदार्थ निर्माण के अस्तमंत प्रयोग किए जाते हैं।

2. प्रतिपिछ पदार्थ—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित रासायनिक पदार्थों को, सिवाय ऐसी स्थिति के जब वे एक प्रतिप्रति की कुल संबंधता में रासायनिक प्रतिक्रिया के उपोत्पाद के रूप में निर्मित हों अथवा विद्यमान हों, “प्रतिपिछ पदार्थ” के रूप में वर्णित किया जाएगा।

(i) बैंजाइडिन और उसके लवण ; तथा

(ii) ऐसा पदार्थ जिसमें इनमें से कोई भी योगिक शामिल हो।

3. संक्षिप्त वर्णन—बैंजाइडिन और बैंजाइडिन हाइड्रोक्लोराइड, रंजकों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण मिश्रण है। बैंजाइडिन सफेद अथवा हल्के लाल रंग का क्रिटलीय पाउडर होता है जिसका लगनांक विशुद्ध हल्का गर्म गर्म करने पर 115° से. से 120° से. होता है। वायु तथा प्रकाश के प्रभाव से द्रव्यका रंग काला पड़ जाता है। ये जिक और सोडियम हाइड्रोक्लोराइड के साथ नाइट्रोबैंजाइडिन के कम करने से उत्पन्न होते हैं। प्राप्त हाइड्रोबैंजाइडिन को एसिड के साथ गरम किया जाता है और उसके योगिकों में उनसे जुड़े दो अमीनों समूह सहित दो फिनोल होते हैं। इन्हें बैंजाइडिन-एमिनोडि-फिनोइल भी कहा जाता है। बैंजाइडिन आधारित वाणिज्यिक रंजकों में रंगी (1), गहरा लाल (1),

गहरा साल (13), गहरा लाल (28), गहरा गीला (2), गहरा गीला, गहरा लूप (2), गहरा भूरा (95), गहरा काला (38) तथा एसिड्लाल (85) कार्मिल है।

4. रंजक तथा रंग मिश्रण—बेंजाइडिन और उससे बनकर पदार्थों बाने गामी रंजकों और रंग-मिश्रणों को “डाइ-धर्ट-ई” के सिए मिथिल किया जाएगा। बेंजाइडिन आधिरिय रंजकों, जिन्हें बेंजाइडिन-नायो रंजक भी कहा जाता है, यो इस अधिसूचना के जारी किए जाने के तीन वर्ष के भीतर बन्द कर दिया जाना चाहिए।

5. विस्तार—बेंजाइडिन आधिरिय रंजकों के प्रयोग पर प्रतिवेष पूरे भारत में लागू होगा।

6. आक्षेप फाइल करना—जो भी व्यक्ति अधिसूचित खतरनाक पदार्थ के प्रयोग के निपेद्य और निवारण लगाने के बिल्ड कोई आक्षेप फाइल करने का इच्छुक है तो वह इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रक्रियत हीने के नीस दिन के मीलर संयुक्त सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पर्यावरण भवन, दी.जी.ओ. काम्पलेक्स, लोरी गोड, नई दिल्ली-110003 को लिखित में देकर एसा कर सकेगा।

[सं. 1-48/86 गी. पल/एच.एस.एम.डी.]
डा. जी. मुम्बरम् संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS
(Department of Environment, Forests and Wildlife)

New Delhi, the 31st October, 1989

NOTIFICATION

PROHIBITED ON THE USE OF BENZIDINE-BASED DYES AND ITS SALTS

S. O. 881 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of section 6 of the Employment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), read with rule 13 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies the prohibition and restriction on the use of benzidine-based dyestuffs in the dyeing and colour processing industries.

The use of Benzidine based Dyes and Dye Intermediates.

1. Application—This notification shall apply in respect of the prohibited substance as defined in the Environment (Protection) Rules, 1986, handled and

the process incidental thereto in the course of which these substances are formed or carried on.

2. Prohibited substances—For the purpose of this notification, the following chemical substances shall be classified as “prohibited substances” except when these substances are present or formed as by product of a chemical reaction in a total concentration not exceeding one per cent:—
 - (i) benzidine and its salts ; and
 - (ii) any substance containing any of these compounds.
3. Brief description—Benzidine and Benzidine hydrochloride are important intermediates for the manufacture of dyes. Benzidine is white or slightly reddish crystalline powder with a melting point of 115°C to 120°C when slightly heated. It darkens on exposure to air and light. These are produced by the reduction of nitrobenzidine with zinc and sodium /hydroxide. The resulted hydrobenzidine is heated with the acid and its compounds have two phenols with two amino groups attached to them. These are also known as biphenyldiamine or diaminodiphenyl. Benzidine-based commercial dyes include direct orange (1), direct red (1), direct red (13), direct red (28), direct blue (2), direct blue, direct brown (2), direct brown (95), direct black (38) and acid red (85).
4. Dyes and dye-intermediates—All dyes and dye-intermediates containing benzidine and its derivatives shall be prohibited for “handling”. The use of benzidine-based dyes also called as benzidine-azo dyes shall be required to be discontinued within three years from the time of issue of this notification.
5. Extension—The prohibition on the handling of benzidine-based dyes is applicable to whole of India.
6. Filing of objections—Any person interested in filing an objection against the imposition of prohibition or restrictions on the handling of hazardous substances as notified may do so in writing to the Joint Secretary, Ministry of Environment and Forests, Paryavaran Bhawan, Central Government Office Complex, Iodi Road, New Delhi-110 003, within thirty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. 1-48/86-PL/HSMD]
DR. G. SUNDARAM, Jt. Secy.